



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 90]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 25, 1994/फाल्गुन 6, 1915

No. 90]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 25, 1994/PHALGUNA 6, 1915

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1994

सा.का.नि. 117(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 के परन्तुक के साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (द्वितीय संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये 1 मार्च, 1994 को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 के उपनियम (49) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(49) अनुसूची वायु परिवहन सेवा से वह वायु परिवहन सेवा अभिप्रेत है जो उन्हीं दो या अधिक स्थानों के बीच चलती है और किसी प्रकाशित समय-सारणी के अनुसार प्रचालित की जाती है या उड़ानें इतनी नियमित या बार-बार होती हैं कि वे मान्य व्यवस्थित क्रम गठित करती हैं और प्रत्येक उड़ान का जनता उपयोग कर सकती हैं;

3. उक्त नियमों के नियम 134 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1) कोई व्यक्ति, अनुसूची 11 में उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार तथा उनके अधीन रहते हुए प्रदान की गई केन्द्रीय सरकार की अनुज्ञा के सिवाय, भारत से, भारत के लिए, भारत में या भारत से होकर कोई अनुसूचित वायु परिवहन सेवा का प्रचालन नहीं करेगा,

परन्तु वायुयान (द्वितीय संशोधन) नियम, 1994 के प्रारम्भ से पूर्व अनुसूचित वायु परिवहन सेवा के प्रचालन के लिए पहले से अनुज्ञात और प्रचालन कर रहा कोई व्यक्ति या वायु निगम (उपक्रमों का अंतरण और निरसर) अध्यादेश, 1994 (1994 का अध्यादेश 4) की धारा 3 के अधीन ऐसे व्यक्ति का कोई उत्तराधिकारी उपनियम (1क) के उपबंधों के अधीन रहते हुए ऐसी सेवा का प्रचालन जारी रख सकेगा।

4. उक्त नियमों के नियम 134 के उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

(1क) केन्द्रीय सरकार, वायु परिवहन सेवा का बेहतर विनियमन करने की दृष्टि से और देश में विभिन्न क्षेत्रों की वायु परिवहन सेवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, समय-समय पर जारी किए गए साधारण या विशेष

आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगी कि किसी अनुसूचित वायु परिवहन सेवा का प्रचालन करने वाला प्रत्येक प्रचालक ऐसे आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों, जिसके अंतर्गत उनके सम्यक अनुपालन से संबंधित कोई शर्त भी है, के अनुसार सेवा देगा।

5. उक्त नियमों की अनुसूची 11 में,—

(1) अनुसूची के नीचे [नियम 134 के उपनियम (1) का परन्तुक देखिए] कोष्ठकों, शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे; अर्थात् :—

[नियम 134 का उपनियम (1) और उपनियम (1क) देखिए]

(2) अनुसूची के शीर्षक के स्थान पर; निम्नलिखित शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात् :—

अनुसूचित वायु परिवहन सेवाओं के प्रचालन के लिए अनुज्ञा प्रदान करना,

(3) पैरा 1 में; नियम 134 के उपनियम (1) के परन्तुक के अनुसरण में अनुसूचित वायु परिवहन सेवा के प्रचालन के लिए अनुज्ञा शब्दों और अंकों के स्थान पर; निम्नलिखित शब्द, अक्षर और अंक रखे जाएंगे; अर्थात् :—

नियम 134 के उपनियम (1) और उपनियम (1क) के अनुसरण में अनुसूचित वायु परिवहन सेवा के प्रचालन के लिए अनुज्ञा,

(4) पैरा 8(2) (4) में; या वायु निगम अधिनियम, 1953 (1953 का 27) के अधीन शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

(5) पैरा 8(2) (5) में; या वायु निगम अधिनियम, 1953 (1953 का 27) के अधीन शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. ए.वी. 11012/2/94-ए]
पी.के. बनर्जी; संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण

मूल नियम, भारत के राजपत्र, भाग I; तारीख 27 मार्च, 1937 में अधिसूचना सं. बी-26, तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में निम्नलिखित राजपत्र अधिसूचना सं. द्वारा संशोधित किए गए थे :—

1. का.नि.आ. 768, तारीख 2 अप्रैल, 1955
2. सा.का.नि. 1087, तारीख 19 जुलाई, 1965
3. सा.का.नि. 412, तारीख 15 मार्च, 1971 और
4. सा.का.नि. 1256; तारीख 18 सितम्बर, 1972

MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th February, 1994

G.S.R. 117(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 read with proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (XXII of 1934), the Central Government hereby make the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937 namely —

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Second Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the 1st day of March, 1994.

2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3, for sub-rule (49) the following shall be substituted, namely :—

“(49) Scheduled air transport service means an air transport service undertaken between the same two or more places and operated according to a published time table or with flights so regular or frequent that they constitute a recognisable systematic series, each flight being open to use by members of the public;”

3. In the said rules, for sub-rule (1) of rule 134, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) No person shall operate any Scheduled air transport service from, to, in, or across India except with the permission of the Central Government, granted under and in accordance with and subject to the provisions contained in Schedule XI :

Provided that any person already permitted and operating Scheduled air transport service before commencement of the Aircraft (Second Amendment) Rules, 1994, or any successor to such person under section 3 of the Air Corporation (Transfer of Undertakings and Repeal) Ordinance, 1994 (Ord. 4 of 1994), may continue operation of such services subject to the provisions of sub-rule (1A).”

4. After sub-rule (1) of rule 134 of the said rules, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(1A) The Central Government may, with a view to achieving better regulation of air transport services and taking into account the need for air transport services of different regions in the country, direct, by general or special order issued from time to time, that every operator operating any scheduled air transport service shall render service in accordance with the conditions specified in such order including any condition relating to their due compliance.”

5. In the Schedule XI to the said rules,—

(i) below the Schedule for the brackets, words and figures “[See proviso to sub-rule (1) of rule 134]”,

the following brackets, words, figures and letter shall be substituted, namely :—

“[See sub-rule (1) and (1A) of rule 134]”;

(ii) for the Schedule heading the following heading shall be substituted, namely :—

“GRANT OF PERMISSION TO OPERATE SCHEDULED AIR TRANSPORT SERVICES”;

“(iii) in paragraph 1, for the words and figures “Permission to operate Scheduled air transport services in pursuance of the proviso to sub-rule (1) of rule 134”, the following words, letters and figures shall be substituted, namely :—

“Permission to operate Scheduled air transport services in pursuance of sub-rules (1) and (1A) of rule 134”;

(iv) in paragraph 8(2)(iv), the words and figures “or under the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953)” shall be omitted;

(v) in paragraph 8(2)(v), the words and figures “or under the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953)” shall be omitted.

[File No. AV.11012/2/94-A]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

FOOT NOTE :

The Principal Rules were published vide notification No. V-26, dated the 23rd March, 1937 in the Gazette of India, Part I, dated the 27th March, 1937, and were subsequently amended vide Gazette Notification No :—

- (1) SRO 768 dated the 2nd April, 1955;
- (2) GSR 1087, dated the 19th July, 1965;
- (3) GSR 472 dated the 15th March, 1971; and
- (4) GSR 1256, dated the 18th September, 1972.

